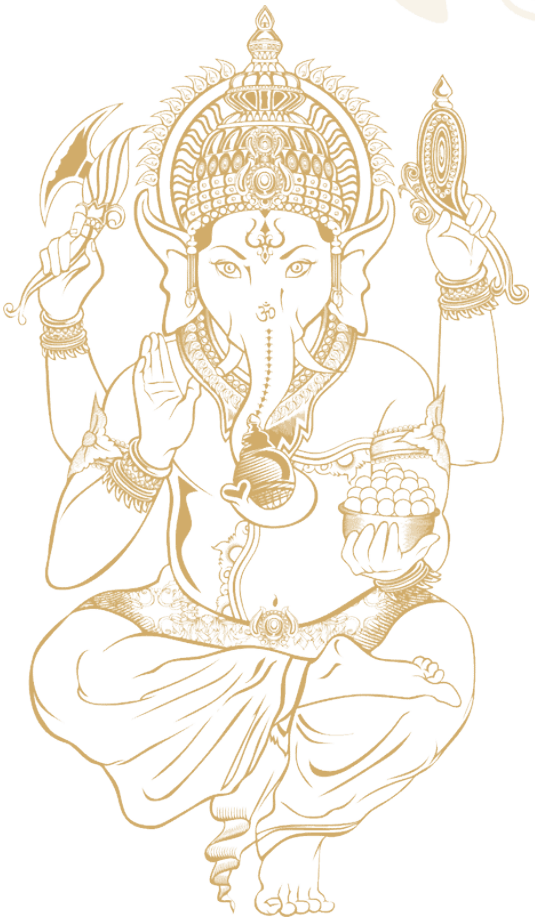

13

18 Oct 1992

05:15 PM

Champawat

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/10/1992**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:15:00 घंटे**
इष्ट	27:34:54 घटी
स्थान	**Champawat**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:20:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:05:24 घंटे
वेलान्तर	00:14:52 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:15 घंटे
सूर्योदय	06:13:02 घंटे
सूर्यास्त	17:36:10 घंटे
दिनमान	11:23:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:35:19 तुला
लग्न के अंश	25:34:43 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

राजेश जोशी

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:34:43	503:22:21	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			तुला	01:35:19	00:59:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मिथु	22:46:30	13:45:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	24:18:08	00:24:28	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			तुला	22:14:14	01:22:01	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कन्या	07:53:54	00:12:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	04:43:04	01:12:58	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			मक	18:03:50	00:00:15	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	00:36:36	00:03:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	00:36:36	00:03:11	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:33:35	00:01:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:32:22	00:00:41	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:01:53	00:02:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	18:43:17	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:39

लग्न-चलित

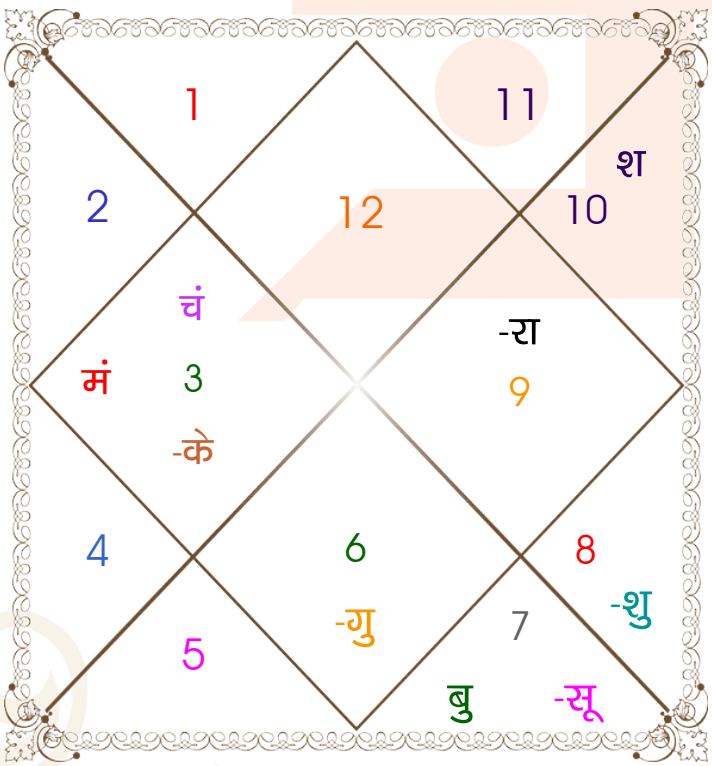

चन्द्र कुंडली

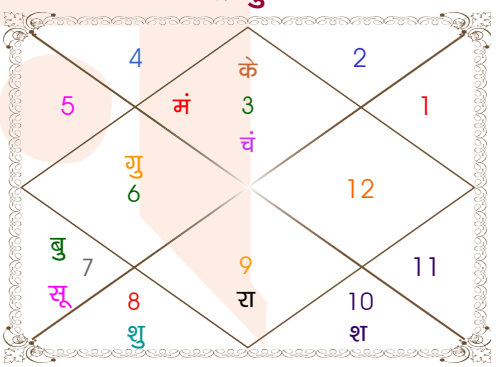

नवमांश कुंडली

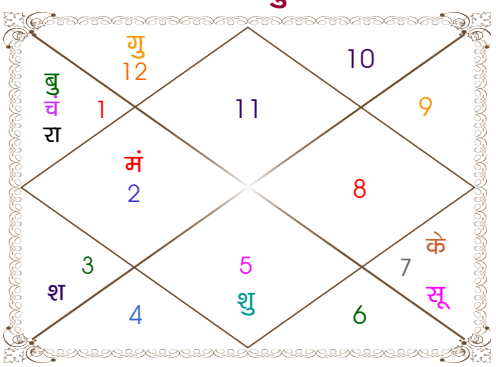

राजेश जोशी

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 8 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/10/1992		20/06/2005		20/06/2024		20/06/2041		20/06/2048	
20/06/2005		20/06/2024		20/06/2041		20/06/2048		20/06/2068	
	18/10/1992	शनि	23/06/2008	बुध	16/11/2026	केतु	16/11/2041	शुक्र	20/10/2051
शनि	18/02/1994	बुध	03/03/2011	केतु	13/11/2027	शुक्र	16/01/2043	सूर्य	19/10/2052
बुध	26/05/1996	केतु	11/04/2012	शुक्र	13/09/2030	सूर्य	24/05/2043	चंद्र	20/06/2054
केतु	02/05/1997	शुक्र	11/06/2015	सूर्य	21/07/2031	चंद्र	23/12/2043	मंगल	20/08/2055
शुक्र	01/01/2000	सूर्य	23/05/2016	चंद्र	19/12/2032	मंगल	20/05/2044	राहु	20/08/2058
सूर्य	19/10/2000	चंद्र	23/12/2017	मंगल	16/12/2033	राहु	08/06/2045	गुरु	20/04/2061
चंद्र	18/02/2002	मंगल	31/01/2019	राहु	05/07/2036	गुरु	15/05/2046	शनि	20/06/2064
मंगल	25/01/2003	राहु	07/12/2021	गुरु	11/10/2038	शनि	23/06/2047	बुध	21/04/2067
राहु	20/06/2005	गुरु	20/06/2024	शनि	20/06/2041	बुध	20/06/2048	केतु	20/06/2068

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/06/2068		20/06/2074		20/06/2084		20/06/2091		21/06/2109	
20/06/2074		20/06/2084		20/06/2091		21/06/2109		00/00/0000	
सूर्य	07/10/2068	चंद्र	21/04/2075	मंगल	16/11/2084	राहु	03/03/2094	गुरु	09/08/2111
चंद्र	08/04/2069	मंगल	20/11/2075	राहु	04/12/2085	गुरु	26/07/2096	शनि	19/10/2112
मंगल	14/08/2069	राहु	20/05/2077	गुरु	10/11/2086	शनि	02/06/2099		00/00/0000
राहु	08/07/2070	गुरु	19/09/2078	शनि	20/12/2087	बुध	21/12/2101		00/00/0000
गुरु	27/04/2071	शनि	20/04/2080	बुध	16/12/2088	केतु	08/01/2103		00/00/0000
शनि	08/04/2072	बुध	19/09/2081	केतु	14/05/2089	शुक्र	08/01/2106		00/00/0000
बुध	12/02/2073	केतु	20/04/2082	शुक्र	14/07/2090	सूर्य	02/12/2106		00/00/0000
केतु	20/06/2073	शुक्र	20/12/2083	सूर्य	19/11/2090	चंद्र	02/06/2108		00/00/0000
शुक्र	20/06/2074	सूर्य	20/06/2084	चंद्र	20/06/2091	मंगल	21/06/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।